



ॐ आ ४ कं स्वाहा ॥ रु ति ॥ ॥ ॐ क न म ना य ॐ आ ४ कं स्वाहा ॥ ॥ ॐ
आ ४ कं ज न सि रु ला य स्वाहा ॥ ति सि ॥ ॥ ॐ आ ४ कं व ज य रु स्वाहा
॥ सि कि ना ४ ॥ ॥ ॐ व ज ना रा य स्वाहा ॥ ना य ॥ ॥ ॐ सर्वार्थ सिद्ध य
स्वाहा ॥ न य का ॥ ॥ ॐ सर्व कृ भ य स म ना य स्वाहा ॥ य का ॥ ॥ ॐ
सर्व सं व द स्वाहा ॥ द वि गु द ॥ ॥ ॐ कं जं जी अ ४ लां मां पां वां स व दि
दी डिं स्वाहा ॥ वि दि (भ व न ॥ ॥ क्वा वि दि द य ॥ ॥ य थ म द दि

या य ॥ ॥ न ना रा च त्व न क न स्ति नं वा म क थ न य न वृ क्क या गी मा दा य न
क्रि द क न न्म (क्ष मू ख गु वा मा दा य स मी ल्य द शी र्म का न यि त्वा + आ सा न
मि कृ द व ना न य मू रु रु न् व द्ग वि व न मू ख य थ मू रु व भ क रि य रु स र्क
क वि भ ला रु नी द था न् ॥ ॥ रु ल धा ना ॥ ॐ अ त्म मू ख मू द्गि या र्शी सर्व भ
ॐ ४ कं व का कं रु द्गु व न स क्ता ना य कं रु द्ग स्वाहा ॥ र्थ ४ ॥ आ रु ति या य
॥ स स्ति वा क्क या य ॥ ॐ अ त्म य दी प्प दि ष्या वि षा वि ष म दा श्री थ रु वा क वा वा :

कह्य ॥ हृदयमनुन ॥ ॥ आकृतियाय ॥ स्वस्ति वा क ॥ ॐ अग्नय
त्वादि ॥ कलभया ना मालक आकृतिविय ॥ ॥ वृषं ॥ वं ॥ ला ॥ सु ॥ ॐ
तिरूनाकृतियरू सूरुभाकनमु ॥ ॥ धनादवयुनिस्का दणक म्रिया
या ॥ दणमग्निविधि ॥ ॥ दवनाकृतियाय ॥ नरुं सर्वदवानां महलं यन
माहुनं नसनाथ रुसदज ॥ लमुजा लानूरु कथन ॥ मनुमूडा समायुक्त वडा
वृषादिथागत ॥ शित लवटकि नाचुद्य ॥ हानवक्रि समा कथन ॥ नत्यदयः

[illegible]

नाम नमः ॥ न न स क ल देवाना । न त्मानं स य ना च न । ए व क था नि था । कामः
सिद्धि र्मा र्ग्य स म्य दं ॥ त्रि स र्ग क वि भ णा दि । या व च ल क का ठि न ॥ ४ ॥ स्वः
कृ सि धि न सा न द । म नु न त्मा दि ना म नं ॥ मू ख स र्वा रु ति वि न्य । वि दि स र्वा दि
ता व ना । च न स र्व य ता या क । उ क ला रु लि ता न ल ॥ ॥ न ना द व ता या ध्या
न ॥ आ क र्ष ण ॥ धू य ॥ या दा र्घ ॥ आ च म द ॥ था रु ण ॥ अ र्घ ॥ यू ष्य न्या भ ॥ वि
दि द्य ॥ च न रु द्य ॥ मा ल का द व ता रु ति वि य ॥ स्व सि वा य ॥ ॐ अ म्ना दि यः

दि य्या ॥ ला भ्या ॥ मु ति ॥ ॐ ति द व ता रु ति य रू णु रु ण न न नु वि वि
॥ ॥ न ना य र्क्षा रु ति ॥ य र्क्षा सि द्य ॥ आ वि दि द्य ॥ च न रु द्य ॥ ॥ ॐ आ
॥ स मा वि रु ल र्क्ष स्वा दा ॥ आ र ल स ॥ ॥ ॐ आ ॥ १ ॥ र्क्ष नि र्क्ष नि न क वि रु
ष र्क्ष स्वा दा ॥ श्री र व ॥ ॥ ॐ व ड वा स स स्वा दा ॥ रु रु म ॥ ॥ ॐ व ड य
य स्वा दा ॥ धू नि ॥ ॥ ध र्मा ध र्म ना रु द रु १ स र्व वि द्यु य ण नि कृ न्ना दा ॥
च न न गु ति ॥ ॥ ॐ स य ष्य स क ल व ल न ना ना ना य र्क्षि कृ न्ना दा ॥ य र्क्ष उः

त्यन॥ ॥ॐ गगनगगग वि ला की न न शाना नानाययूष्णि कू नू रं रू रू
स्वाहा॥ व्याल॥ ॥ॐ वज्रनाम्नाय स्वाहा॥ ताम्बूल॥ ॥ॐ वज्रयि
रुमाय स्वाहा॥ यिर्यं॥ ॥ॐ सर्वभाग्यसमनाय स्वाहा॥ सर्वोषधि
॥ ॥ॐ सर्वकसयसमनाय स्वाहा॥ यक्षाधि॥ ॥ॐ जीकायकनधः
शेषनाभना स्वाहा॥ त्रिकर॥ ॥ॐ त्रिरुलरुलनंॐ न्मा ४ रं स्वाहा॥ त्रिरु
त्या॥ ॥ॐ मदनाय स्वाहा॥ मदनरुल॥ ॥ॐ वज्रवसंकनाय स्वा

हा॥ कूर्कम॥ ॥ॐ वज्रवीराय स्वाहा॥ समूक॥ ॥ॐ वज्रमदरं स्वाहा
॥ चलकं नल॥ ॥ॐ वज्रयूथ स्वाहा॥ ग्वयकास॥ ॥ॐ दं २ रं रुः
रु स्वाहा॥ निद्रास॥ ॥ॐ यूष्णि कू नू स्वाहा॥ गुर्गुनि॥ ॥ॐ समयनाः
लय स्वाहा॥ जूषन॥ ॥ॐ ससमथ स्वाहा॥ ककुगुन॥ ॥ॐ कमिधनि सर्व
सिद्धी कू नू जी स्वाहा॥ नकनीन॥ ॥ॐ कू नू २ सर्वकार्यसिद्धिभदनाय स्वाः
हा॥ नकचन्दन॥ ॥ॐ वज्रनस स्वाहा॥ वयनस॥ ॥ॐ सर्वना रुडा

यस्मात् ॥ नयस्मात् ॥ ॥ ॐ वजायस्व स्मात् ॥ इवोक्तु ॥ ॥ ॐ
वज्रयस्व कानायस्मात् ॥ यस्व कान ॥ ॥ ॐ आ ४ हं स्मात् ॥ मूलादि
॥ ॥ ॐ वजा ला क जिं स्मात् ॥ मन्त्र ॥ ॥ आ कृति विय ॥ महा स्वः
सिवाय ॥ अद्यादी ५ ॥ अवालनयाव ॥ ॥ मन्त्र ॥ ॐ आ ४ हं वज्र कृ
वज्र कृति विय ॥ ॐ ॐ आ ४ हं रू ॥ ॥ अमन नु विनावडी हानवद्रि
युर्धकय ॥ मन्त्रादि किनं नु ॥ ॥ वज्रामि वनायुनि वज्र गकु मफय

न विष्णु ताय मलावन काम देव रुनि ॥ ॐ व ॥ वज्र सूर्य न प्रय हा ॥ यथिया
सवन ॥ ॐ व ॥ वज्र कृति विय ॥ मन्त्रादि किनं नु ॥ ॥ अद्यादी ५ ॥ अवालनयाव ॥ ॥ मन्त्र ॥ ॐ आ ४ हं वज्र कृ
वज्र कृति विय ॥ ॐ ॐ आ ४ हं रू ॥ ॥ अमन नु विनावडी हानवद्रि
युर्धकय ॥ मन्त्रादि किनं नु ॥ ॥ वज्रामि वनायुनि वज्र गकु मफय

भामुनं॥ उँ उधरि कयिल वहु प्रद फणितालि विनयाक स्वाहा॥ उँ
जल स्वहा उँ हलिनाय स्वाहा॥ उँ हल जालथ स्वाहा॥ उँ यिनाम्वना
य स्वाहा॥ यं मुनि॥ यी नवर्क्ष मरुत ना सुना पान कन धर्त वा भ कम
छत्र धार्य जरासन मम मुनं॥ ॥ दक्रि ल॥ धू ध्यान॥ धर्म नाडा
महावीरो नीलवर्क्ष बला कना मकु टानी लकिणी न्या वीष्म ला धर्म
वाननी॥ यमद छु ध त रु र्क्ष ध्यान पूर्य न्र भामुनं॥ उँ यमाय स्वाहा

॥ ॐ यित्त च तं स्वाहा ॥ ॐ दलु वनाय स्वाहा ॥ ॐ धर्मा नाथाय स्वाहा
॥ ॐ नीलवर्णाय स्वाहा ॥ यं मुनि ॥ नीलवर्णमहाकायात्मदिवाय निस
सिताय मदलु कर्णं धर्या कृतानकनभा मुनि ॥ ॥ नेत्राय ॥ ध
ध्यान ॥ नारुसानकवर्णास्या कव्व नानागिवानकाय विगंथाक नरि मरु
रिहाल धुनिभानका ॥ स्वर्गकया नरु सुख ॥ ध्यानयुष्यं नममुनि ॥ पृथ्वी ॥
ॐ सर्वरुनरुयं कनाय स्वाहा ॥ ॐ नैमत्याय स्वाहा ॥ ॐ नारुसाय स्वाहा ॥

ॐ विक्रान्तनायसाहा ॥ ॐ निष्ठावनायसाहा ॥ यं मु ॥ नाहावलि म
लाकायः लाजाननहारुषितं ॥ खड्गकयानधनीवीनं ॥ युताचरुं नमाम्यहं
॥ ॥ यश्चि म ॥ धृ ॥ ध्यान ॥ वरुवावनू ॥ धनुका ॥ सफरु ॥ धविनादिता ॥ म
क्षितकरं धर्य ॥ सर्वनजरुययदा ॥ वनू ॥ नागनाहाय ॥ ध्यानयूष्य
नममुने ॥ यूप्यं ॥ ॐ रुद्रकटिगिरिवातानि विन्याहसाहा ॥ ॐ वनू ॥
यसाहा ॥ ॐ नागधियतथसाहा ॥ ॐ रुद्रदाययसाहा ॥ ॐ सागना

यसाहा ॥ यं मु ॥ शुद्धरुटिकसंकाशं ॥ मरुतागधिययुरु ॥ रुद्रम
क्षिकरं धर्य ॥ वनू ॥ ध्यानयनममुने ॥ ॥ वायुय ॥ धृ ॥ ध्यान ॥ मरुताग
गान् व्यापित्यताकरु ॥ धननी ॥ रुद्रितावर्कसं शुद्धा ॥ मरुतावनयनाकुमा
॥ शुन्यदहा मरुतावायु ॥ ध्यानयूष्यनममुने ॥ यूप्यं ॥ ॐ सुसखाखखरवसा
हा ॥ ॐ ववनायसाहा ॥ ॐ वायुयसाहा ॥ ॐ वयनायसाहा ॥ ॐ वं वनायसा
हा ॥ यं मु ॥ यतुरुद्रकयुनारु ॥ शुन्यदहं मरुतावनं ॥ वं वनीववनीदव

ममनूरं न मास्यं ॥ ॥ डलन ॥ धू ध्या ॥ यद्वाधियामदा ॥ अरु ॥ स्फु
ललभादलागनापीनवर्ध सुमनुक नवनरु लधनीना ॥ मकन ॥ अ
रिताक कू ध्या नय्या नममुने ॥ यूर्य ॥ डं कू वना यस्वादा ॥ डं धनाग
माथ स्वादा ॥ डं यद्वाधियनथ स्वादा ॥ डं गुधना धि स्वा यस्वादा ॥ डं क
कनायराय स्वादा ॥ यं ॥ म् ॥ म् लकाय मदाने रा ॥ लका कनसं नि
नं ॥ अमनूर यदनि लं कू वनायनममुने ॥ ॥ ॥ अमन ॥ धू ध्या ॥

विष्णुनयाति स्त नारा ॥ ॥ अमन ॥ ॥ अमन स्मिता ॥ व वा नू ध विष्णुवां कि ॥ रुदा
रुना विननुका ॥ मरु वडा ध ना रुता ॥ ध्या नयूर्य नभा मुने ॥ यूर्य ॥ डं डं
डं डं शिव स्वादा ॥ डं ॥ अमनाथ स्वादा ॥ डं लया ॥ दा स्वादा ॥ डं नू डाय स्वा
दा ॥ डं रुना धियनथ स्वादा ॥ यं ॥ म् ॥ शु कू वर्ध मदाने रा ॥ विष्णु लक कया
निर्न ॥ सदा कल्यानिका पिबं ॥ विष्णुना नकनभा मुने ॥ ॥ डं ॥ धू ॥ मानति
मातिका ॥ अमना पीना मवना वी ॥ अमना वनदा अकू माजा कू ॥ क मलु नरिद

[illegible]

ॐ लालनाथ नमः ॥ ॐ दिननाथ नमः ॥ ॐ त्रिकासिन नमः ॥ ॐ
 लक्ष्मिनथ नमः ॥ ॐ ॥ नागसंख्यसंकासं चन्द्रनागसमपुत्रं
 सकाश्वनथमानन्दं चन्द्रसूर्यनमाम्यहं ॥ ॥ वाम ॥ ॐ नववर्ण
 विष्णुलाकिः कृष्णमकूटधनिनिन्दसाक्षां यद्वाधियनिभि
 नाथनिष्ठाकनः ॥ ॐ सासनीससामाथ नमः ॥ ॐ ॥ ॐ जितसर्वनमः
 ॥ ॐ शुक्राम्बनाथ नमः ॥ ॐ ॥ ॐ ॥ कृष्णवातसंकल्पः कल्याणका

दिविद्रितं रुद्रा सनासमायुक्तं निष्पन्नं नमस्तुते ॥
 अ॥ ॥ योनवर्त्म मद्राद्वितीताम्रनधनायनी ॥ सव्याहयप्रदा
 नाववाभयवर्त्म घटाधना ॥ धनही धनही माता ॥ यथिव्यायनमा
 मुने ॥ यथा ॥ ॐ यथिवेनमः ॥ ॐ वसुधेनमः ॥ ॐ धीयनमः ॥ ॐ
 लाकमाहुनमः ॥ ॐ धनधनमः ॥ ॐ य॥ ॥ यथिवीकनधन ॥ ॐ व
 मन्तवर्त्मसेयुने ॥ सर्वांगक ॥ कवर्त्मता ॥ यथा मनेनमस्तुते ॥

2728

सव्य ॥ अमवर्त्म मद्रावाङ्गा ॥ खड्ग रुद्राक धनही ॥ नवाकनधन
 का ॥ विविजगुननसयका ॥ अरिने ॥ दानवाधियनि ॥ ॐ वसुधे
 येनमम ॥ यथा ॥ ॐ दानवायनमः ॥ ॐ वसुधियेनमः ॥ ॐ य
 थनमः ॥ ॐ नाकसायनमः ॥ ॐ किंकनायनमः ॥ ॐ य॥ ॥ नुलासन
 लेखल ॥ खड्ग रुद्राक धनही ॥ अमवर्त्म मद्राकाय ॥ विमयिजाय
 नमः ॥ ॥ वाभ ॥ शुक्रवर्त्म विष्णुलाक्षी ॥ समरुतामनेनकन

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

2728

[illegible]

सर्वलम्बादनाय स्वाहा ॥ ॐ रुद्राय स्वाहा ॥ ॐ महाकात्याय स्वाहा ॥
॥ ॐ कलातीय स्वाहा ॥ ॐ यमुलिय स्वाहा ॥ ॐ वनालीय स्वाहा ॥ यं मु॥
महाकार्त्तिकवर्ष्वावृद्धगमसनपदकं न कलिकया लक्ष्मर्त्तवीर्त्तुनासनं
नमस्तुते ॥ ॥ गममानाय स्वाहा ॥ या ॥ गममानाय स्वाहा ॥ नकायया दोर्जय न
म ॥ य ॥ ॐ नकाय स्वाहा ॥ ॐ रुद्राय स्वाहा ॥ ॐ ययाय स्वाहा ॥ ॐ सोम्याय
स्वाहा ॥ ॐ कथिनाय स्वाहा ॥ ॐ गवाय स्वाहा ॥ ॐ गवाय स्वाहा ॥ यं मु ॥

[illegible]

नी ॥ ॥ अतिविरुयक लभयदा ॥ ॥ मूलक लभन्यास ॥ दाय ॥ ध्यान ॥ दिने
जामीकनचिउ चिऊनं सुतीर्थया लीयवविउयुजितनधकाउयउमनपूवाम
दिनं ॥ वीनदहीकनकलुलासनं ॥ चिउंसुचिद्रैनिनक्रिसूविभनननं ॥ धय
यमावतयूगभकसुप्रनितव्यं ॥ उर्ध्वगणं कजितकुरुयललाताः ॥ दं संवाधित
ककलभामनउउतावं ॥ उं वजामतादत्यादि x ॥ यायू x ॥ उं वजसलायखा
ला ॥ उं वजधनयमायखा ला ॥ उं वजनतायखा ला ॥ उं वजधमेयखा ला ॥ उं

ॐ कर्मोयस्वाहा ॥ यं ५ ॥ मु ॥ नमस्तु वडसत्वाय वडननाय नमः ४ न
मस्तु वडधर्माय नमस्तु वडकर्म ॥ ॥ श्रीलक्ष्मीयूता ॥ ध्यान ॥ कुरुते
कमखादवी काखना नरुवडका ॥ ललीतासनाश्रयात्वां ननी लं च न श्री
ही ॥ या ॥ य ॥ ॐ श्रीवसुधायार्थ नमः ४ स्वाहा ॥ ॐ वसुधाय नमः ४ स्वाहा ॥ ॐ
श्रीवसुमति यीय स्वाहा ॥ ॐ वसुधाय स्वाहा ॥ ॐ श्रीलक्ष्मीरुतनिवासनीय स्वाः
हा ॥ यं ५ ॥ मु ५ ॥ नमस्तु नमस्तु दवी सर्वसत्वार्यदायनी नमस्तु नदिबन

यिच वसुधायानमस्तु ॥ ॥ यक यक हीयूता ॥ ध्यान ॥ वडयक मका
वीना दसीताकाधनानना ॥ यक ही सरु जालिग्य रुसनन त्र ध्यान ही ॥
जकमाला धर्तं सबा वीलवर्त नमस्तु ॥ या ॥ य ५ ॥ ॐ वडरुकाय स्वाहा ॥ ॐ
वडीयक हीय स्वाहा ॥ ॐ ननकक वनाय स्वाहा ॥ ॐ रुनकयकाय स्वाहा ॥ ॐ
कनशादनाय स्वाहा ॥ ॐ मकाग्रकाय स्वाहा ॥ ॐ मकधनाय स्वाहा ॥ यं ५ ॥ मु ५
॥ वडयकामकावीना यक हीयातिवासीना यनुमनु धर्तं वीना वीनवडनः

मा सुत ॥ ॥ जनी दी पूरा ॥ धर्म धनु थं ॥ सुति ॥ नमस्तुत उ क या
य किन धनु क ले नमः ॥ सर्व वहा लय वे लं ॥ धर्म धनु न मा सुत ॥ ॥
ॐ नाय क धु य रा ॥ राय ॥ ध्यान ॥ नान्द वं शु क व र्ण क ग रा न न म हा व न न च
उरु रं ति रं ग क ॥ धु र मा ला व ल य दं ॥ य द्वा न ध न ग क ॥ य ल सू ध तं विः
नाय का ॥ या ॥ य ॥ यं ॥ सु ॥ ॐ नाय य रा थं ॥ ॐ ति ॥ ॥ नाग य य रा ॥
ध्यान ॥ वं रा नं व र्ण शु क स य क नाल लं क ल ॥ ज व य म धि स व न च स म
य न वा भ म

धि ध न ध न ॥ ध्यान सु ति क ता क ॥ धु य रा दि या य य कि न ति ॥ या ॥ य ॥ ॐ व न
ध य रा ॥ ॐ ज न ना य रा ॥ ॐ य म्मा य रा ॥ ॐ न क का य रा ॥ ॐ वा स
का य रा ॥ ॐ म हा प्रा य रा ॥ ॐ शं ख या ना य रा ॥ ॐ क क्री त का य रा
ॐ क र्क मा य रा ॥ यं ॥ ला ॥ सु ॥ ॥ रा ला धि य कि ना ना रा ॥ स्व स दी सि य व
स्ति ना स लार्थ य स द व कि च न्ध य न म सु त ॥ ॥ ॐ ति म ल क न स य
रा वि धि ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ न म ॥ श्री व ज स ला य ॥ य रु दि या मा रु ॥ ज नि क धु

ॐ ह्रीं ह्राय स्वादि ५ ॥ यं ला मु ॐ ह्रीं ह्रसूनयतिर्व स्वादि ५ ॥ ह्रीं तिदिगयं का
 ॥ ॥ रुनाग्नि यूका ॥ आचक ॥ सिमनाद्यान आचक ॥ सर्वय ॥ ॐ सर्वयाय
 सर्वकुश सर्वइष्ट विष्णुमाना नृहं हृद् ॥ ॐ निरुनाग्नि ॥ ननामकावाक ॥ ज
 यादि ५ ॥ तन ४ य ला ॥ अहमना भवस्मा मुकदमका ४ कं के लि वृत्त य ह्रागप
 रुतान्कनिष्ठिकां रुसदीर्घ ४ क्रीनमधूकषायकार्षे नि न ला नि वि लय
 र्य र्मय नारादिय ह्र मल्लुग्नि नायुक्त लल लय ४ हं ॥ ॐ युक्त लल लय ४ हं ॥

नना स्वस्ति वाक ५ ॥ तना ध्यान ॥ ननुं ह्र लिनाग्निम (धय वा
 नंवा नइयनिनं राताग्निम ह्र लनं काभाह्वं यी नवर्ह मक मूर्खं च नुं नं वा मद
 ह्र क म ह्र नृधनं सव्यवनदाकृमा ला धनं यी ना मयारुन हं य ह्रा युवा ती नं
 तिनं नुं रुतामकट धनिनं वज्र सत्वा लं कृतां भो लि नं समयानि मिताय ४ ॥ ॐ
 नवदिम फारुत दवविष्टि रुसक मग दी ला कृ किम फान स्मि स वि दि नारु
 वसा हा ॥ ॐ निमक न ह्रा नाग्नि मा वा रु य ॥ ॥ ॐ ह्रा हं ट कि हं रु ४ ३ ॥

टक्किनारुमडा ॥ आकर्षण ॥ उं आ ४ क वावडां कु भवीरुमा कर्षय ४ ॥ उं वडा
याभवीरुताययका ४ ॥ उं वडा सारु वीरुमा कर्षय ४ ॥ उं वडा वीरुमा
ताययका ४ ॥ धूयवाक ४ ॥ ॥ उं कानस्य च मकात्मा रुयभ्रातवावस्तित ४
तस्मादिधविन्यस्यत तलं रुयनम ४ ॥ ॥ हानद्यादिमययहूं सतायस
मिभमातं ४ मकुयहूनयहूननाहूननाग्निश्चादिचयकं ॥ रुसदकं नयाकनि
दीर्घमाकृषदायक ४ ॥ आयायनाकुतावायि विवि ४ ॥ वाननननु ॥ तस्यदं

यनमथानंतत्वा एवमुक्तेदता ॥ नारिमथस्तितयमं ॥ उं आद्यादिदवता ४
॥ वसवडा कर्मत्वास्तु वीरु उं कानसंरुवं ४ नाद विरु कनातीतं वा विहना
तनाविधि ४ ॥ ॥ उं अग्नथदीय दीया विवा विषमका प्रीय रुयकु मरुतायद
थरु ४ हूं वं का ४ समयसुमिति ॥ ॥ नीलाहून ॥ ॥ उं सर्वतथगतायवि
॥ भवनहूं स्वाहा ॥ यरुसुगन्धनलाय ॥ वजयहूं ॥ ॥ र्शसलंरुकाय ॥ उं अथ
यवभक्तानयजुर्वम्यनिरु ४ स्वाहा ॥ मद्रिस ॥ ॥ उं अथयुवनगलायया

द्युतिः ४ स्वाहा ॥ यार्हा ॥ ॥ ॐ अग्नयुवनभक्तानाय जायते नमः ॥
४ स्वाहा ॥ वकुस ॥ ॥ ॐ अग्नयुवनभक्तानाय जायते नमः ४ स्वाहा ॥ सर्व
समिस ॥ ॥ ॐ वज्रतनु ॥ ३ ॥ समयार्त्तयुवन ४ ॥ ॐ सर्वतथा न काय
विष्णुवनदं स्वाहा ॥ यक्षसुगंधनधयन ॥ ॥ ॐ हंतां जीर्णं ४ अभाययनिः
शुद्धभायय २ धिनी २ शुद्धसत्त्वकाय ४ हंतां जीर्णं ४ हंतां रुद्र स्वाहा ॥ यक्ष
वनकाय ॥ यक्षानां ॥ ॐ अग्नय स्वाहा ॥ ॐ कलिनाय स्वाहा ॥ ॐ युक्तनाय

ॐ दिक्कालाय स्वाहा ॥ ॐ समनका लाय स्वाहा ॥ ॐ मानिकुलाय स्वाहा ॥ ॐ
वृद्धरुद्राय स्वाहा ॥ ॐ अग्नि स्वाहा ॥ ॐ तक्षकनाय स्वाहा ॥ ॐ अयकाय
का ॥ मुनि ॥ ॐ संवीरतिर्हतां योनवर्त्तमका हलं यीनामनाथनातका ॥ अग्नि
ममुरुक्या ॥ वज्रकामकातका ॥ उदामकृतका ॥ वज्रपी ॥ वज्रपी ॥ अक्रमाय ॥ ॐ हंतां
ममुरुक्या ॥ ॐ हलाहवितादेहा ॥ दिक्कालासमावृत ॥ गिरुर्ग ॥ अहिनादेहा
अननाय नमः ॥ ॐ तिसमयायि ॥ ॥ यवदायके ॥ ॐ श्री ४ स्वाहा ॥ ॥

काशावक रुद्र मा न ॥ सर्वपायद रुतवजाय सर्वपायद रुद्र स्थाहा ॥ युक्ति
वसमत्यादि ५ ॥ ॥ धवक यज्ञा ॥ ॥ तिलाग्निमुखनृका पहायवरु लयुः
माहीशु कवर्जुविराव ४ ॥ कालवृत्त नपम्भितश्रुव दवदि मुखवद्र ४ स्वमनः
द्विशा यत्ता द्रुति दद्यात् ॥ ॥ तिलावना ॥ प्राकृष्ट सर्वगुण यथा द्यं
वार्धायुदाययन् ५ मद्रि जूर्यतना दद्यात् ॥ वक्त्रावमनं तथा ॥ सर्वद्वय म
खगन्ध ॥ रुद्रि सिनभियु व्यकं रुद्रता झादिकं रुद्र स्थाहा लायां धूपनं तथा ॥

समिद्धादिकं सर्वयुताया दीयुर्न यन् १ ॥ नैव द्यादिन सायत ॥ युजत रुद्र
वत्सल १ ॥ रुमि ४ रुद्र विवर्द्धनी सिततिलं याया यद्रं गन्तिकृत् ॥ सिद्धार्थ व
लवृद्धि कृत्सु वियुलं मार्षयवावगद ४ ५ कर्तुं वा रुद्र विवर्द्धनं सुकल संयत्वा
गन्धिलिधानां कं ॥ गन्धमश्च निपाशद ४ सुकल कृत् विलरुलं स्मार्थ कृत् ॥ तिलाव
दिकपी समित्त धूपय १ युक्तायुदं शाख्यदं ॥ सीतान्ध्रि रुद्र लयदं सलिवर्तं कृत् ॥
दियुक्ता रुद्र मं दीयादी कि विवर्द्धना दधिमुज नवायि सीतान्ध्रि रुद्र इवो यव लवृद्धि नि

सकलसम्यक्त्वानुवाच ॥ तन्मूलधनदं सुवन्दनगर्ही लक्ष्मीयुदं भा
 वसिद्धिधनप्रदा इति लसखानं लाक सयनं ॥ मुक्तिरुत्तमकृपावियर्हि न किता
 दद्याच्चुत्तनायमस्वच्छासिद्धिविवर्द्धनी सुवन्दनगर्ही ॥ सुवन्दनगर्ही ॥ सर्वविना
 दतता ॥ ॥ यत्ननायनिलिखनसमाधाय विष्णुध्यानमनुभावालिने स
 म्यक् ॥ इन्द्रयात्रुसवज्जयाति ह्रीं ॥ ॐ ॥ स्वाहा ॥ ॥ धनमनु ॥ ॥
 ॐ ॥ अग्नयस्वाहा ॥ धनकृतदाय ॥ यत्ननायनिलिखनसर्वसमिधं इन्द्रयात्रु

॥ ॐ अर्काय स्वाहा ॥ अकसि ॥ ॥ ॐ शमाय स्वाहा ॥ यलाहसि ॥ ॥
 ॐ वज्राय स्वाहा ॥ खलसि ॥ ॥ वज्रवज्राय स्वाहा ॥ अयामाय ॥ ॥
 ॐ वज्रकुवनाय स्वाहा ॥ वनवनसि ॥ ॥ ॐ वज्रयस्त्राय स्वाहा ॥ उदमन
 सि ॥ ॥ ॐ वज्रमनिष्वनाय स्वाहा ॥ भनिकलसि ॥ ॥ ॐ वज्रवाधिवकाय
 स्वाहा ॥ अश्वकुवनंगतसि ॥ ॥ ॐ वज्रलनाय स्वाहा ॥ पिनाग ॥ ॐ
 वज्रवीजाय स्वाहा ॥ वज्रनसु ॥ ॥ ॐ मधून स्वाहा ॥ मधुकाल ॥ ॥ ॐ न

॥ गायत्र्या स्वाहा ॥ जम्बुक ॥ ॥ ॐ सर्वथा ययुषमनाय स्वाहा ॥ वैकव्य ॥
ॐ वज्रसूक्तानाय स्वाहा ॥ जाम्बु ॥ ॥ ॐ कदम्बाय स्वाहा ॥ कदम्ब ॥
॥ ॐ सर्वनाशाय स्वाहा ॥ गम्भानसि ॥ ॥ ॐ वज्ररिप्ताय स्वाहा ॥ रिप्ताय स्वाहा ॥
॥ ॐ वज्रमदनाय स्वाहा ॥ मदनाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ नि
ज्ज्वा दशमिषि ॥ ॥ ज्येष्ठाय स्वाहा ॥ कृष्ण ॥ ॥ ॐ वज्राय स्वाहा ॥
॥ ॐ वज्राय स्वाहा ॥ इन्द्राय स्वाहा ॥ ॥ विहीनाय स्वाहा ॥ ॥ ॐ सर्वविहिर्जिह्वं ज्ञा ॥ इन्द्राय स्वाहा ॥

स्वाहा ॥ ॥ सर्वथा ययुषमनाय स्वाहा ॥ वैकव्य ॥ ॥ ॐ
वज्राय स्वाहा ॥ जम्बुक ॥ ॥ ॐ वज्रवर्णाय स्वाहा ॥ यव ॥ ॥ ॐ वज्रयस्मानाय
स्वाहा ॥ जम्बुक ॥ ॥ ॐ वज्रवाक्याय स्वाहा ॥ जम्बुक ॥ ॥ ॐ वज्रवाः
स्वाहा ॥ जम्बुक ॥ ॥ ॐ मरुताय स्वाहा ॥ मास ॥ ॥ ॐ वज्रमृगमा
य स्वाहा ॥ मृग ॥ ॥ ॐ वज्रकानाय स्वाहा ॥ मरुता ॥ ॥ ॐ वज्रकामाय स्वाहा ॥
स्वाहा ॥ जम्बुक ॥ ॥ ॐ ज्ञा ॥ इन्द्राय स्वाहा ॥ यमास ॥ ॥ ॐ वज्रध्वज ॥

मम हस्तकवचप्रतिपद्यायी॥ अथ निशान
 विनाशक नदवचिह्न

मम हस्तकवचप्रतिपद्यायी॥

अवाङ्मय

कंका

॥ ॥ ॥

मम हस्तकवचप्रतिपद्यायी॥

2728
 ASHAT ARCHIVES

उदिकान्तव
 विगडानि
 इति ॥ ॥
 इति साध
 इति साध
 इति साध